SJIF 2014 = 3.189
ISSN: 2348-3083
An International Peer Reviewed & Referred
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL FOR
HUMANITY SCIENCE & ENGLISH LANGUAGE

सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयास तथा इनकी प्रभावशीलता के प्रति लक्ष्यित श्रोता समूह के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन

अनुषा दूत[1] & मुरलीधर शर्मा [2] Ph.D

[1]रिसर्च स्कॉलर, षिक्षा संकायएएवनस्थली विद्यापीठ विष्वविद्यालय, वनस्थली

[2]शोध निर्देषक एवं रीडर, षिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ विष्वविद्यालय, वनस्थली

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

वर्तमान में ग्रामीण एवं शहरी दोनों परिदृष्य में परिवर्तन के साधन के रूप में सामुदायिक रेडियो प्रतिकात्मक संचार उपकरण बन गया है। सामुदायिक रेडियो स्टेषन समुदाय में समुदाय द्वारा समुदायिक सदस्यों के लिए चलाया जा रहा एक उपकरण (स्त्रोत) है। सामुदायिक रेडियो समुदाय के किसी एक समूह द्वारा भी चलाया जा सकता हैं या संयुक्त समूह द्वारा भी नियंत्रित किया जा सकता है। इसके द्वारा समुदाय के सदस्य अपने विचारों, भावनाओं को दूसरे के सामने प्रकट कर सकते हैं तथा अपनी समस्याओं के लिए सुझाव प्राप्त कर सकते हैं। नयी–नयी तकनीकों के बारे में जान सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के लोग जो कि शहरी लोगों से विकास के प्रत्येक क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं उन्हें समय की मुख्य धारा में लाने का एक प्रमुख साधन सामुदायिक रेडियो है।

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन

राजस्थान राज्य के झुन्झुनूं जिले की नवलगढ़ तहसील के कोलसिया ग्राम के गैर राजकीय संस्थान (कमलनिष्ठा संस्थान) द्वारा कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित किया गया है। यह शेखावाटी क्षेत्र का प्रथम सामुदायिक रेडियो स्टेषन है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार

द्वारा इस रेडियो स्टेशन को 22 नवम्बर 2012 को प्रसारण हेतु लाईसेन्स प्रदान कर स्थापित किया गया है। कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन का प्रसारण 90.4 एफ.एम. की फ्रीक्वेन्सी पर होता है तथा प्रसारण क्षेत्र 15 किलोमीटर की हवाई परिधि तक है। इस रेडियो स्टेषन द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी तथा राजस्थानी भाषा तीनों में कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं।

सामुदायिक लोग जीविकोपार्जन हेतु उचित साधन अपनाये तथा समाज में अच्छे से जीवनयापन कर सकें, इसके लिए कमलवाणी सामुदायिक रेडियो लोगों को प्रेरित करता है। व्यक्ति स्वयं के बारे में सोच सके, स्वयं के उचित विकास के बारे में सोच सकें तथा समाज के उचित विकास के बारे में जान सके इसके लिए कमलवाणी रेडियो सामुदायिक व्यक्तियों की सहायता करता है।

सामुदायिक ढ़ांचे को तैयार करने में तथा इसे बनाये रखने में एक प्रकार से कमलवाणी सामुदायिक रेडियो की भूमिका हो सकती है। इस भूमिका के निर्वह्न के लिए इस रेडियो पर जन सामान्य की समस्या समाधान से सम्बन्धित कार्यक्रम तथा मनोरंजन व आवश्यक सूचना से सम्बन्धित कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है। साथ ही लाईव फोन–इन कार्यक्रमों से व्यक्तियों की आवाज को सुना व सुनाया जाता है। सभो उम्र के लोगों में शिक्षा का प्रसार करना, जागृति पैदा करना एवं रेडियो क्षेत्र के लोगों से संपर्क स्थापित कर प्रसारण कौशल में कार्यानुभव प्रदान करना कमलवाणी सामुदायिक रेडियो के प्रमुख उद्देष्य हैं।

विषयक केन्द्र

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेषन के प्रमुख प्रसारण विषय – परिवार कल्याण प्रणाली, बाल एवं मातृ स्वास्थ्य, सामाजिक बुराई निवारण, सांस्कृतिक मूल्य, समाज की पारंपरिक रीति–रिवाजों और उसके कल्याण का पहलू, तंबाकू मुक्त विद्यालय, सामाजिक विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का महत्व, शेखावाटी क्षेत्र की सुप्रसिद्ध फ्रस्को–पेंटिंग कलाकारी एवं लोक संस्कृति आदि हैं।

प्रसारित कार्यक्रम

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन से अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहे हैं। जैसे –

1. **आराधना** –संतुलित साम्प्रदायिक सद्भाव के साथ सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए धर्म आधारित भक्ति संगीत का कार्यक्रम है।
2. **संजीवनी** –प्रकृति के पोषण से सम्बन्धित कार्यक्रम है।
3. **संगिनी** – महिलाओं के जीवन के विविध पहलुओं से संबंधित कार्यक्रम है।

4. **आपणी धरती–आपणा लोग** – शेखावाटी क्षेत्र के लोगों की सफलता की कहानी को बताता कार्यक्रम है।
5. **तरूणाई के सपने** – यह युवाओं के लिए कार्यक्रम है।
6. **श्रृद्धांजली शहीदों को** – राष्ट्र की सेवा में अपना जीवन न्यौछावर कर देने वाले सैनिकों को समर्पित कार्यक्रम है।
7. **मस्ती की पाठशाला** – समय से पूर्व विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों के लिए ज्ञान आधारित कार्यक्रम है।

शोध उद्देश्य

अध्ययन के अग्रांकित वि"ाष्ट उद्दे"य निर्धारित किये गये हैं–

1. सामुदायिक रेडियो स्टेषन ''कमलवाणी 90.4 एफएम'' के शैक्षिक प्रयासों की पहचान करना।
2. सामुदायिक रेडियो स्टेषन कमलवाणी 90.4 एफएम द्वारा आयोजित और प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों में निहित शैक्षिक संदेशों की पहचान करना।
3. शैक्षिक प्रयास के क्रम में लक्ष्यित श्रोता समूह तक पहुँचने एवं उनसे अन्तः क्रिया करने के लिए सामुदायिक रेडियो स्टेषन ''कमलवाणी 90.4 एफएम'' द्वारा अपनायी जाने वाली क्रियाविधि का अध्ययन करना।
4. सामुदायिक रेडियो स्टेषन ''कमलवाणी 90.4 एफएम'' के शैक्षिक प्रयासो की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थी, अध्यापक, किसान तथा सामान्य जन लक्ष्यित श्रोता समूह के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना।

अध्ययन की मान्यताएँ

शोध उद्देश्य– 1 से 3 के विषय में शोधकर्त्री की अग्रांकित मान्यताएँ हैं :–

1. कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा सामान्य शिक्षा का प्रसार एवं समसामयिक सामुदायिक मुद्दों (कन्या भ्रूण हत्या, हिंसा, बालविवाह निषेध आदि) के प्रति जागरूकता विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के शैक्षिक प्रयास किये जा रहे हैं।
2. कमलवाणी रेडियो द्वारा आयोजित तथा प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण क्षेत्र 15कि.मी. आकाषीय परिधि में निवास करने वाले सामुदायिक सदस्यों– विद्यार्थियों, शिक्षकों, किसानों एवं सामान्य जन के लिए शैक्षिक निहितार्थ है।

अध्ययन परिकल्पना

शोध उद्देश्य–4 के विषय में अग्रांकित परिकल्पनाओं का विकास किया गया है–

सामुदायिक रेडियो स्टेषन ''कमलवाणी 90.4 एफएम'' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थी, अध्यापक, किसान तथा सामान्य जन लक्ष्यित श्रोता समूह का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

अध्ययन की जनसंख्या

शोध के उद्दे"यों के अनुसार अध्ययन की जनसंख्या के दो स्तर हैं। **प्रथम स्तर** पर भारत के राजस्थान राज्य में संचालित एवं स्थापित सामुदायिक रेडियो स्टेशन (90.4 एफ.एम.) अध्ययन की जनसंख्या है और **द्वितीय स्तर** पर कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारण क्षेत्र में निवास करने वाले सभी विद्यार्थी, किसान, शिक्षक, तथा सामान्य जन द्वितीय स्तर की जनसंख्या हैं।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के शैक्षिक कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए शैक्षिक न्यादर्ष की सौद्देष्यपूर्ण पद्धति से कमलवाणी सामुदायिक रेडियो के नियमित श्रोताओं में से 200 विद्यार्थियों, 100 अध्यापकों, 100 किसानों, और 200 सामान्य जन का चयन किया गया।

अध्ययन विधि

सामुदायिक रेडियो स्टेषन ''कमलवाणी 90.4 एफएम'' के शैक्षिक तथा सामाजिक चेतना सम्बन्धी प्रयासों की प्रभावशीलता के विषय में लक्ष्यित श्रोता समूह–विद्यार्थी, शिक्षक, किसान तथा सामान्य जन का प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने के लिए शैक्षिक अध्ययन की वर्णनात्मक विधि 'वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि' का उपयोग किया गया।

शोध उपकरण

प्रस्तावित शोध अध्ययन के लिए उद्देश्य के आधार पर आंकड़े एकत्रित करने हेतु शोधकर्त्री द्वारा स्वयं निर्मित कार्यक्रम विश्लेषण प्रपत्र, अर्द्ध संरचित साक्षात्कार अनुसूची एवं प्रत्यक्षीकरण सूची का उपयोग किया गया।

प्रदत्तों के स्रोत

शोध अध्ययन के लिए उद्देश्य के आधार पर प्रदत्तों के एकत्रीकरण के लिए अग्रांकित स्रोत है–

1. वर्ष 2014–2015 के दौरान प्रसारित कार्यक्रमों की हस्तलिखित/मुद्रित/ध्वन्यांकित प्रतियाँ प्रदत्तों के स्रोत हैं।

2. वर्ष2014–2015 के दौरान प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों से सम्बद्ध लेखक / उत्पादक / प्रस्तुतकर्ता प्रदत्तों के स्रोत हैं।

3. कमलवाणी सामुदायिक रेडियो के नियमित स्रोत विद्यार्थी, षिक्षक, किसान एवं सामान्यजन प्रदत्तों के स्रोत हैं।

प्रदत्त प्रकृति

प्रस्तावित शोध अध्ययन में प्रदत्तों की प्रकृति गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार की है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

अध्ययन में प्रयुक्त मात्रात्मक प्रदत्तों के विष्लेषण के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी के अन्तर्गत आवृत्ति विष्लेषण एवं प्रतिषत विष्लेषण का उपयोग किया गया है।

निश्कर्श

स्थानीय समुदाय की संस्कृति और जीवन षिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रमों के प्रसारण को बढ़ावा देना इस सामुदायिक रेडियो का मुख्य उद्देश्य है, ताकि प्रसारित कार्यक्रमों द्वारा समाज के सदस्यों के सामने समाज की वास्तविकता को प्रकट किया जाये तथा बेहतर विकास के लिए निर्देशन प्रदान किये जाये। इस रेडियो द्वारा विद्यालयो स्तर तथा कॉलेज स्तर के विद्यार्थियों को केन्द्र में रखकर अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाते है। शेखावाटी का यह क्षेत्र कृषि प्रधान है, इसलिए किसानों को लाभ पहुँचाने के लिए कृषि पर आधारित विविध कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहे हैं।

संदर्भ सूचीः–

मलिक, विनोद पावरला एवं कंचन के. (2007), भारत में सामुदायिक रेडियो के लिए संघर्ष, सेज पब्लिकेषन्स, नई दिल्ली.

भाटिया, अरूण (2005), कम्यूनिकेशन एण्ड सोशियल चेन्ज, आकांक्षा पब्लिशिंग हाऊस : नई दिल्ली

बेस्ट, जॉन डब्ल्यू. (1982), रिसर्च इन एड्यूकेशन, प्रिन्टिस हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, न्यू देहली.

गुप्ता, एस. एल. एण्ड गुप्ता, हितेष (2011), रिसर्च मैथडोलोजी, इंटरनेषनल बुक हाउस, दरियागंज, न्यूदेहली.

गुप्ता, एस. पी. (2003), सांख्यिकीय विधियाँ, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

w.kamalnishtha.org

www.kamalvani.org